



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 102]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 23, 1991/ज्येष्ठ 2, 1913

No. 102]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 23, 1991/JYAISTHA 2, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारत निर्वाचन आयोग

अधिमूचनाएं

नई दिल्ली, 21 मई 1991

आ.अ. 137(अ). —24 पूर्णिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र  
से निर्वाचन को प्रत्याखिष्ट करने वाले मुख्य निर्वाचन आयुक्त  
के तारीख 21 मई, 1991 के आदेश को सर्वसाधारण की  
सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है।

[सं. 495/बिहार/91(1)]

आदेश

निर्वाचन आयोग लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951  
(1951 का 43) की धारा 30 के अधीन जारी की गई  
तारीख 19 अप्रैल, 1991 की अपनी अधिसूचना सं.  
464/91(1) में

(i) तारीख 20 मई, 1991 को ऐसी तारीख के  
रूप में नियत किया जिसको बिहार के 24-पूर्णिया संसदीय  
सभा निर्वाचन-क्षेत्र में मतदान कराया जायेगा; और

(ii) तारीख 31 मई, 1991 को ऐसी तारीख के  
रूप में विनिर्दिष्ट किया जिसके पूर्व उपरोक्त निर्वाचन-क्षेत्र  
में निर्वाचन पूरा कर लिया जायेगा, और

निर्वाचन आयोग को राज्य सरकार, राज्य के मुख्य  
निर्वाचन अधिकारी, रिटनिंग आफिसर, प्रेक्षकों की रिपोर्टों  
पर आधारित सूचना प्राप्त हुई है और निर्वाचन आयोग  
के पास उपलब्ध अन्य सम्बन्धित सूचना के स्रोतों के  
अनुसार, मतदान की तारीख अर्थात् 20 मई, 1991 को  
बड़े पैमाने पर निर्वाचन अपराधों की घटनाएं हुई हैं,  
जिसमें मतदान केन्द्रों के अभिग्रहण द्वारा बूथ हथियाने,  
मतदान प्राधिकारियों में मतपत्रों को समर्पित करवाने,  
मतदान केन्द्र पर जबरबस्ती कब्जा करने और मतदान के  
प्रयोजन के लिये मतदाताओं की स्वतन्त्र पहुंच को रोकने,

निर्वाचकों को धमकाने और उनकी मत डालने के लिये मतदान केन्द्र पर उनकी जाने से रोकना सम्मिलित है, और जिसके परिणामस्वरूप उपरोक्त निर्वाचन क्षेत्र में मतदान स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष नहीं हुए, और

उपरोक्त सूचना के आधार पर और सभी महत्वपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखने के पश्चात्, आयोग का समाधान हो गया है कि उपरोक्त कारणों की वजह से निर्वाचन-क्षेत्र का परिणाम गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58, 58क, 135क और 153 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और हम वारे में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करता है।

निर्वाचन आयोग यह भी निदेश देता है कि इस आदेश की एक-एक प्रति रिटनिंग आफिसर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों और सभी अन्य सम्बन्धितों को भेजी जायेगी।

आयोग यह भी निदेश देता है कि उपरोक्त आदेश को सर्व साधारण की सूचना के लिये शासकीय राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

नई दिल्ली  
तारीख 21-5-91

टी.एन.सेशन  
भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त

surrender the ballot papers, taking forcible possession of polling station and prevention of free access to the voters for the purpose of voting, threatening electors and preventing them from going to the polling station to cast their vote, and that consequently the polls in the aforesaid constituency have not been free or fair; and

Whereas, the Commission on the basis of the aforesaid information and after taking into consideration all the material circumstances, is satisfied that due to the aforesaid factors the result of the constituency has been seriously affected;

Now, therefore, the Commission, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution of India, Sections 58, 58A, 135A and 153 of the Representation of People Act, 1951, and all other powers enabling it in this behalf, hereby countermands the aforesaid election.

The Election Commission also directs that a copy of this order shall be forwarded to the Returning Officer, the Chief Electoral Officer, all the contesting candidates, and all others concerned.

The Commission also directs that the above order may be published in the Official Gazette for general information.

(T. N. SESHAN)

Chief Election Commissioner of India

New Delhi,

Dated 21-5-91.

आ.अ. 138(अ). — 35-पटना संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करने वाले मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तारीख 21 मई, 1991 के आदेश को सर्व-साधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है।

[सं. 495/बिहार/91(2)]

आदेश से,

एस.डी. प्रसाद, सचिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st May, 1991

O.N. 137 (E).—The order of the Chief Election Commission dated 21st May, 1991 countermanding the election from 24-Purnea Parliamentary Constituency is published for general information.

(Here print order attached)

[No. 492/BR/91(1)]

### ORDER

Whereas, the Election Commission in its Notification No. 464/91(1) dated 19th April, 1991, issued under Section 30 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) had (i), fixed the 20th May, 1991, as the date on which poll shall be taken in the Parliamentary Constituency of 24-Purnea of Bihar and (ii) specified the 31st May, 1991, as the date before which the election shall be completed in the above constituency; and

Whereas, the Election Commission has received information based on the reports of the State Govt., the Chief Electoral Officer of the State, the Returning Officer, the Observers, and other relevant sources of information available to the Election Commission that on the date of poll i.e. 20th May, 1991, there has been large scale incidence of electoral malpractices involving booth capturing by seizure of polling stations, making polling authorities

### आदेश

निर्वाचन आयोग लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 30 के अधीन जारी की गई तारीख 19 अप्रैल, 1991 की अपनी अधिसूचना सं. 464/91(1) में

तारीख 20 मई, 1991 को ऐसी तारीख के रूप में नियत किया जिसको बिहार के 35-पटना संसदीय सभा निर्वाचन-क्षेत्र में मतदान कराया जायेगा, और

तारीख 31 मई, 1991 को ऐसी तारीख के रूप में विनिर्दिष्ट किया जिसके पूर्व उपरोक्त निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचन पूरा कर लिया जायेगा, और

निर्वाचन आयोग को राज्य सरकार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, रिटनिंग आफिसर, प्रेक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित सूचना प्राप्त हुई है और निर्वाचन आयोग के पास उपलब्ध अन्य सम्बन्धित सूचना के स्रोतों के अनुसार, मतदान की तारीख अर्थात् 20 मई, 1991

को बड़े पैमाने पर निर्वाचन अपराधों की घटनाएं हुई हैं, जिसमें मतदान केन्द्रों के अभिग्रहण द्वारा वृथ्वा हथियाने, मतदान प्राधिकारियों से मतपत्रों को समर्पित करवाने, मतदान केन्द्र पर जबरदस्ती कब्जा करने और मतदान के प्रयोजन के लिये मतदाताओं की स्वतन्त्र पहुंच को रोकने, निर्वाचकों को धमकाने और उनको मत डालने के लिये मतदान केन्द्र पर उनको जाने से रोकना सम्मिलित है, और जिनके परिणामस्वरूप उपरोक्त निर्वाचन-क्षेत्र में मतदान स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष नहीं हुए, और

उपरोक्त सूचना के आधार पर और सभी महत्वपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखने के पश्चात्, आयोग का समाधान हो गया है कि उपरोक्त कारणों की वजह से निर्वाचन-क्षेत्र का परिणाम गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है,

अतः अब, निर्वाचन आयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58, 58क, 135क और 153 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस बारे में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करता है।

निर्वाचन आयोग यह भी निर्देश देता है कि इस आदेश की एक-एक प्रति रिटर्निंग आफिसर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों और सभी अन्य सम्बन्धितों को भेजी जायेगी।

आयोग यह भी निर्देश देता है कि उपरोक्त आदेश को सर्वसाधारण की सूचना के लिये शासकीय राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

नई दिल्ली,

टी.एन. शेषन

तारीख : 21-5-91

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त

O.N. 138(E).—The order of the Chief Election Commission dated 21st May, 1991 countermanding the election from 35-Patna Parliamentary Constituency is published for general information.

[No. 492/BR/91(2)]

By Order,

S. D. PERSHAD, Secy.

#### ORDER

Whereas, the Election Commission in its Notification No. 464/91(1) dated 19th April, 1991, issued under Section 30 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) had (i) fixed the 20th May, 1991, as the date on which poll shall be taken in the Parliamentary Constituency of 35 Patna of Bihar and (ii) specified the 31st May, 1991, as the date before which the election shall be completed in the above constituency; and

Whereas, the Election Commission has received information based on the reports of the State Govt., the Chief Electoral Officer of the State, the Returning Officer, the Observers, and other relevant sources of information available to the Election Commission that on the date of poll i.e. 20th May, 1991, there has been large scale incidence of electoral malpractices involving booth capturing, seizure of polling stations, making polling authorities surrender the ballot papers, taking forcible possession of polling station and prevention of free access to the voters for the purpose of voting, threatening electors and preventing them from going to the polling station to cast their vote, and that consequently the polls in the aforesaid constituency have not been free or fair; and

Whereas, the Commission on the basis of the aforesaid information and after taking into consideration all the material circumstances, is satisfied that due to the aforesaid factors the result of the constituency has been seriously affected;

Now, therefore, the Commission, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution of India, Sections 58, 58A 135A and 153 of the Representation of People Act, 1951, and all other powers enabling it in this behalf, hereby countermands the aforesaid election.

The Election Commission also directs that a copy of this order shall be forwarded to the Returning Officer, the Chief Electoral Officer, all the contesting candidates, and all others concerned.

The Commission also directs that the above order may be published in the Official Gazette for general information.

(T. N. SESHAN)

Chief Election Commissioner of India

New Delhi,

Dated 21-5-91.

